NEWSLETTER

GOLD : 51999
SILVER : 60751
CRUD OIL : 7637

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

08/10/2022

"सरकार साथ दे तो कपास कारोबार में गुजरात को टक्कर दे सकता है एमपी"

मोहनलाल गुप्ता

(श्री राम फाइबर गंधवानी के डायरेक्टर)

मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल इंडस्टी में अपार संभावनाएं है। यहां कॉटन की पैदावार भी अच्छी है और क्वालिटी भी बेहतर है। कपास कारोबार में यदि कोई समस्या है तो वो है प्रदेश की टेक्सटाइल पॉलीसी। इसमें भी मंडी टैक्स सबसे अहम् मुद्दा है। महाराष्ट्र और गुजरात की तुलना में हमारे प्रदेश में तीन गुना मंडी टैक्स वसूला जा रहा है। नतीजा, प्रदेश में यह इंडस्टी पिछड़ती जा रही है जिनर्स यहां से पलायन करने लगे है। ऐसा ना हो इसके लिए वन नेशन वन पॉलीसी को अपनाया जाना चाहिए। यदि प्रदेश सरकार इन मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करें और हमारा साथ दे तो हमारा एमपी कपास कारोबार में गुजरात को भी टक्कर देने का माद्दा रखता है।

यह कहना है मध्यप्रदेश के धार जिले के कॉटन जिनर मोहनलाल गुप्ता का। इंडस्टी को अपने जीवन का 50 साल का समय देने वाले मोहनजी ने एसआईएस से खास बातचीत में अपने अनुभव हमसे शेयर किए।

उन्होंने बताया कि मैं 15 साल की उम्र से इस इंडस्टी में काम कर रहा हूं और आज 69 साल की उम्र तक मैंने जो बात समझी है वो यही है कि यह व्यापार पूरी तरह डिमांड और सप्लाय पर टिका हुआ है। विदेशों में कॉटन क्रॉप कैसी रहेगी, उनकी क्या डिमांड रहेगी इस बात से हमारे कारोबार पर सीधा असर पड़ता है। इस बार हमारे यहां क्रॉप अच्छी आने की पूरी उम्मीद है लेकिन भाव पूरी तरह विदेशी डिमांड पर ही निर्भर करेंगे। जहां तक मेरा अनुमान है इस सीजन कॉटन भाव 7 से 8 हजार के बीच रहेंगे।

वर्तमान में एमपी में कॉटन का मार्केट नहीं है। नतीजतन, यहां का ज्यादातर माल बाहर ही जाता है। इसकी एक बड़ी वजह है मंडी टैक्स। यह समस्या अब इतनी बड़ी बन चुकी है कि प्रदेश के व्यापारी यहां से पलायन कर पड़ोसी राज्यों में जा रहे है। इसके बाद दूसरी समस्या है नकली सीड की। हमारे प्रदेश में नकली सीड बहुत ज्यादा आता है जिसकी वजह से क्वालिटी बिगड़ रही है। साल-दर-साल प्रदेश के कॉटन की आरडी वैल्यू कमजोर हो रही है। सरकार को इस दिशा में जल्द कदम उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल इंडस्टी किसी भी देश और प्रदेश की इकोनॉमी में बहुत महत्वपूर्ण रोल अदा करती है। डायरेक्टली और इनडायरेक्टली इससे कई सारी इंडस्टीज जैसे पेस्टिसाइड, रेडीमेड, सीड्स आदि जुड़ी हुई है। यह बहुत बड़ी संख्या में रोजगार भी उपलब्ध कराती है। इसीलिए प्रदेश सरकार को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मंडी टैक्स, आरसीएम से जुड़ी सभी वाजिब मांगों को सरकार को मानना चाहिए। इसके साथ ही कॉटन टेस्टिंग प्रोसीजर भी एक ही तय की जानी चाहिए। वर्तमान में सभी मिल्स अपनी-अपनी शर्तों पर माल खरीदती है। जिससे जिनर्स को खासा नुकसान होता है।

किसान की आवाज

हरीसिंह सिसौदिया

पिछले पूरे साल कपास किसानों के लिए कहा गया कि उनकी आमदनी दोगुनी हो गई है। जबकि ऐसा हुआ नहीं। यह सही है कि पिछले साल कॉटन बहुत अच्छे भाव में बिका लेकिन, कपास की फसल को कीटों ने बहुत नुकसान पहुंचाया। जिससे उत्पादन में भारी कमी आई। किसान को दोगुना फायदा तब होता जब पैदावार भी अच्छी होती और भाव भी अच्छे मिलते। इस साल भी अनचाही बारीश की वजह से हमारे एरिया की **40** से **45** फीसदी कपास फसल खराब हो गई है।

यह जानकारी दी राजस्थान जोधपूर के ओशिया जिले के कपास किसान हरिसिंहजी सिसौदिया ने। उन्होंने बताया कि इनदिनों कपास की लेबर बहुत महंगी हो गई है इससे खेती की लागत बढ़ गई है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि फसल कट जाने के बाद ज्यादातर किसानों के पास उसे होल्ड करके रखने की क्षमता नहीं होती। ऐसे किसान जब फसल लेकर बाजार में आते है तो लोग उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी काफी कम भाव में उनसे फसल खरीद लेते है।

चूंकि किसान को फसल का पैसा तुरंत चाहिए होता है इसलिए उसे ना चाहते हुए भी कम भाव में फसल बेचनी पड़ जाती है। यदि वह किसान सरकारी संस्था को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी फसल बेचता है तो उसे पैसा मिलने में **1** से **3** महीने का समय लग जाता है। इतने दिन रूक पाना उसके लिए मुमकिन नहीं होता और इसीलए उसे नुकसान में फसल बेचनी पड़ जाती है। ऐसा ना हो इसके लिए सरकार को अपनी पैमेंट प्रोसीजर सुधारनी चाहिए।

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

03 अक्टूबर से 08 अक्टूबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

शेयर मार्केट में इस सप्ताह अधिक्तर टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स में सुधार देखा गया। जानकारों की माने तो यह सप्ताह नए और पुराने दोनों ही निवेशकों के लिए लाभदायक रहा। जबकि वर्धमान टेक्सटाइल और नीतिन स्पिनर्स जैसी कुछ कंपनीज के शेयर में गिरावट देखने को मिली, जानिए बीएससी के मंच पर कैसा रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉर्मेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	337.75	347.95	331.7	-0.65%
अरविंद लिमिटेड	98.9	101.2	93.25	3.78%
वेलसपन इंडिया	78.3	78.75	72.6	5.31%
नितिन स्पिनर्स	215.95	220.6	212.35	-0.02%
रेमण्ड	1164.5	1176.7	1006.05	15.75%
अक्षिता कॉटन लिमिटेड	331.3	333.9	299.75	9.45%

जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा अक्टूबर महीने का पहला हफ्ता

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 08.10.2022

ICE COTTON			
MONTH	30.09.22	07.10.22	WEEKLY CHANGE
DEC	85.34	84.23	-1.11
MARCH	83.45	82.66	-0.79
MAY	82.09	81.51	-0.58
MCX (BALES)			
OCT	31050	33350	2300
NOV	29400	29990	590
DEC	29410	29260	-150
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1592	1629	37
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2327	2423	96
JAN	2347	2440	93
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.34	82.32	0.98
PAK (Pakistani Rupee)	228.099	222.98	-5.119
CNY (Chinese yuan)	7.11311	7.11598	0.00287
BRAZIL (Real)	5.41248	5.20558	-0.2069
AUSTRALIAN Dollar	1.55909	1.56753	0.00844
MALAYSIAN RINGGITS	4.63599	4.65009	0.0141
COTLOOK "A" INDEX	103.8	101.3	-2.5
BRAZIL COTTON INDEX	104.87	100.86	-4.01
USDA SPOT RATE	86.09	85.09	-1
MCX SPOT RATE	33400	33870	470
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20500	19000	-1500

इस माह इंटरनेशनल और नेशनल सभी एक्सचेंज मार्केट में कॉटन के भाव में कमी आई है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर दिसंबर, मार्च और मई तीनों ही महीनों के कॉटन भाव में साप्ताहिक अंतर में 1 सेण्ट की कमी आई है। एमसीएक्स पर कॉटन बेल्स के भाव बढ़े है। अक्टूबर महीने के सौदों के लिए साप्ताहिक अंतर में 2300 की तेजी आई है जबकि नवंबर माह के लिए यह अंतर 590 रूपए कम का रहा है।

एनसीडीएक्स पर भी कपास के भाव का सप्ताह अंतर में 37 रूपए तक घटे है। इंटरनेशनल मार्केट में पाकिस्तान, कॉटलुक ए इंडेक्स, ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट के भाव में कमी आई है। एम सी एक्स स्पॉट रेट में में 470 रूपए दाम बढ़े है।

करंसी में इस माह डॉलर का बोलबाला रहा। डॉलर ने इस महीने अब तक भारतीय रूपये के मुकाबले 0.98, चाइनीज युआन में 0.0028, ऑस्टेलियन डॉलर में 0.0084 , और मलेशियन रिंगित में 0.014 की बढ़त हासिल की।